

इंदौर शहर में कचरा निस्तारण एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन – एक आर्थिक अध्ययन

कु. शिल्पा कैथवास

शोधार्थी, वाणिज्य विभाग,

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर म.प्र.

डॉ. आशीष पाठक

प्राध्यापक, वाणिज्य विभाग,

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर म.प्र.

शोध सारांश

सन 2014 में भारत स्वच्छता अभियान की शुरुआत माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गाँधी जी की 150वीं जयंती पर की थी। जिसके पश्चात् सम्पूर्ण भारत में स्वच्छता की तीव्र लहर प्रवाहित हुई, इसी दौरान भारत का इन्दौर शहर स्वच्छता के संदर्भ में सम्पूर्ण विश्व में एक स्वच्छ शहर के रूप में उभर कर सामने आया। इंदौर स्वच्छता सर्वेक्षण में निरंतर सात वर्षों से प्रथम स्थान पर आता रहा है, वर्तमान में इन्दौर शहर में शत-प्रतिशत कचरे का निपटान हो रहा है तथा इन्दौर नगर निगम द्वारा 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन' को विशेष, सुव्यवस्थित व वैज्ञानिक तरीके से सम्पन्न किया जा रहा है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन द्वारा ही इन्दौर शहर कचरे जैसी जटिल समस्या से निपट सका, इसी कारण वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व में स्वच्छ शहर इन्दौर चर्चा का विषय बन गया है क्योंकि इन्दौर शहर 'स्वच्छ भारत अभियान' में निरंतर रूप से प्रथम स्थान पर अडिग है।

